वर्ष 15 अंक 300 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, मंगलवार 02 नवम्बर 2021

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/2709

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़....

# कृषि वैज्ञानिकों ने डिग्री कॉलेज के छात्र- छात्राओं को सिखाए फसल अवशेष प्रबंधन के गुर

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों ने श्री विश्वकर्मा डिग्री कॉलेज ,बारनपुर कहींजरी, में फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत मोबिलाइजेशन आफ कॉलेज स्टूडेंट्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर केंद्र के अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार ने कॉलेज के छात्र एवं छात्राओं को पराली प्रबंधन के संबंध में जागरूक किया और बताया कि देश में लगभग 650 मिलियन टन पराली विभिन्न फसलों से प्राप्त होती है। जिसका उचित प्रबंध कर खेत की उर्वरा शक्ति को बनाए रखकर सतत उत्पादकता प्राप्त किया जा सकता है। और प्रदूषण से भी बचा जा सकता है। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश

वर्मा जी ने पराली प्रबंधन के साथ-साथ घरेलू कचरा प्रबंधन एवं पोषण वाटिका स्थापित करने हेतु प्रेरित किया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार ने पराली जलाने से मृदा, स्वास्थ्य ,वायु प्रदूषण एवं सूक्ष्मजीवों में पड़ने वाले कुप्रभावों के बारे में विस्तार से चर्चा की। तथा पराली प्रबंधन में सी आर डी एवं पूसा डी कंपोजर के प्रयोग के बारे में जानकारी प्रदान की। कॉलेज के छात्र-छात्राओं के द्वारा पराली प्रबंधन विषय पर वाद-विवाद एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें छात्र एवं छात्राओं को विद्यालय के प्रबंधक एवं उनकी पत्नी श्रीमती ममता विश्वकर्मा द्वारा कुसुम लता सिंह, उमा देवी, प्राची मिश्रा ,संदीप मिश्रा, मुस्कान आदि को पुरस्कृत किया गया। उक्त कार्यक्रम में कॉलेज के लगभग 80 छात्र -छात्राएं एवं समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • मंगलवार • 2 नवम्बर • 2021

# छात्रों ने सीखे फसल अवशेष प्रबंधन के गुर

कानपुर (एसएनबी)। डिग्री कॉलेजों के छात्रों ने सोमवार को आयोजित एक कार्यक्रम में फसल अवशेष प्रबंधन के गुर सीखे। अवसर सीएसए कृषि विवि के मोबिलाइजेशन ऑफ कॉलेज स्टूडेंट्स कार्यक्रम का था। विवि से संबद्ध दलीपनगर कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने श्री विश्वकर्मा डिग्री कॉलेज, बारनपुर पहुंच कर छात्रों को फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर जागरूक किया। पराली प्रबंधन के लिए सीआरडी एवं पूसा डी कंपोजर का प्रयोग करने की जानकारी दी गई।

सीएसए कृषि विवि का 'मोबिलाइजेशन ऑफ कॉलेज स्टूडेंट्स' कार्यक्रम

केन्द्र के अध्यक्ष डॉ.अशोक कुमार ने पराली प्रबंधन के बारे में छात्रों को जागरूक करते हुए बताया कि देश में लगभग 650 मिलियन टन पराली विभिन्न फसलों से प्राप्त होती है। इसका उचित प्रबंधन कर खेत की उर्वरा शक्ति को बनाये रखते हुए बेहतर फसल उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है और प्रदूषण से भी बचा जा सकता है। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.मिथिलेश वर्मा ने पराली प्रबंधन के साथ कचरा प्रबंधन व पोषण वाटिका स्थापित करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया। मृदा वैज्ञानिक डॉ.अरविंद कुमार ने पराली जलाने से मृदा, स्वास्थ्य, वायु प्रदूषण एवं भूमि के लिए सहायक सूक्ष्मजीवों पर पड़ने वाले कुप्रभावों की चर्चा की। पराली प्रबंधन विषय पर वाद-विवाद और लेखन प्रतियोगिता भी कराई गई। विद्यालय प्रबंधक एवं उनकी पत्नी ममता विश्वकर्मा ने कुसुम लता सिंह, उमा देवी, प्राची मिश्रा, संदीप मिश्रा, मुस्कान आदि को पुरस्कृत किया।

## वर्चुअल किसान पाठशाला लगा दिये गये खेती के टिप्स

कानपुर। प्रदेश सरकार की पहल पर सोमवार को किसानों के लिए वर्चुअल पाठशाला लगाई गई। वर्चुअल पाठशाला में शरीक हुए कृषि वैज्ञानिकों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए किसानों को मार्गदर्शन किया व खेतीकिसानी से संबंधित जरूरी टिप्स दिये। कार्यक्रम में सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के वैज्ञानिकों ने भी राष्ट्रीय सूचना केन्द्र कानपुर के माध्यम से भागीदारी की। कार्यक्रम से प्रदेश के कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि एवं कृषि शिक्षा राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत, अपर निदेशक प्रसार डॉ.आरवी सिंह, अपर निदेशक वीज एवं प्रक्षेत्र सहित विभिन्न जिलों के कृषि उप निदेशकों के साथ ही प्रगतिशील किसान व महिला किसान वड़ी संख्या में जुड़े। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अनुवांशिकी एवं पादप रोग प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ.महक सिंह ने किसान पाठशाला में रवी फसलों की उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विलंव से वोई जाने वाली सरसों की वुवाई 20 नवम्वर तक की जा सकती है। सरसों की फसल को आरा मक्खी से वचाने को उन्होंने 20 से 25 किग्रा मेलाथियान प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव अवश्य किया जाये।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे 3

वर्ष:12 | अंक:294 | देहरादून, सोमवार, 01 नवंबर, 2021 | पृष्ठ:08

# कृषि वैज्ञानिकों ने डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं को सिखाए फसल अवशेष प्रबंधन के गुर

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों ने विश्वकर्मा डिग्री कॉलेज, बारनपुर कहींजरी में फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत मोबिलाइजेशन आफ कॉलेज स्टूडेंट्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर केंद्र के अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार ने कॉलेज के छात्र एवं छात्राओं को पराली प्रबंधन के संबंध में जागरूक किया और बताया कि देश में लगभग 650 मिलियन टन पराली विभिन्न फसलों से प्राप्त होती है जिसका उचित प्रबंधन कर खेत की उर्वरा शक्ति को बनाए रखकर सतत उत्पादकता प्राप्त किया जा सकता है और प्रदूषण से भी बचा जा सकता है।

केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा जी ने पराली प्रबंधन के साथ-साथ घरेलू कचरा प्रबंधन एवं पोषण वाटिका स्थापित करने हेतु प्रेरित किया केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ.अरविंद कुमार ने पराली जलाने से मृदा, स्वास्थ्य, वायु प्रदूषण एवं सूक्ष्मजीवों में पड़ने वाले कुप्रभावों के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा पराली प्रबंधन में सीआरडी एवं पूसा डी कंपोजर के प्रयोग के बारे में जानकारी प्रदान की।

कॉलेज के छात्र-छात्राओं के द्वारा पराली प्रबंधन विषय पर वाद-विवाद एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्र एवं छात्राओं को विद्यालय के प्रबंधक एवं उनकी पत्नी ममता विश्वकर्मा द्वारा कुसुम लता सिंह, उमा देवी, प्राची मिश्रा, संदीप मिश्रा, मुस्कान आदि को पुरस्कृत किया गया उक्त कार्यक्रम में कॉलेज के लगभग 80 छात्र-छात्राएं एवं समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

FOLLOW US www.janmattoday.in facebook.com/janmattoday.in जनमत टुडे

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • मंगलवार • 2 नवम्बर • 2021

## वर्चुअल किसान पाठशाला लगा दिये गये खेती के टिप्स

कानपुर। प्रदेश सरकार की पहल पर सोमवार को किसानों के लिए वर्चुअल पाठशाला लगाई गई। वर्चुअल पाठशाला में शरीक हुए कृषि वैज्ञानिकों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए किसानों को मार्गदर्शन किया व खेतीकिसानी से संवंधित जरूरी टिप्स दिये। कार्यक्रम में सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के वैज्ञानिकों ने भी राष्ट्रीय सूचना केन्द्र कानपुर के माध्यम से भागीदारी की। कार्यक्रम से प्रदेश के कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि एवं कृषि शिक्षा राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत, अपर निदेशक प्रसार डॉ.आरवी सिंह, अपर निदेशक वीज एवं प्रक्षेत्र सहित विभिन्न जिलों के कृषि उप निदेशकों के साथ ही प्रगतिशील किसान व महिला किसान वड़ी संख्या में जुड़े। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अनुवांशिकी एवं पादप रोग प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ.महक सिंह ने किसान पाठशाला में रवी फसलों की उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विलंव से वोई जाने वाली सरसों की वुवाई 20 नवम्वर तक की जा सकती है। सरसों की फसल को आरा मक्खी से वचाने को उन्होंने 20 से 25 किग्रा मेलाथियान प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव अवश्य किया जाये।

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress
WORLD खबर EXPRESS
सोमवार, 01-11-2021 अंक-394
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com
WORLD खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

# सीएसए : छात्रों को सिखाए फसल अवशेष प्रबंधन के गुर

**कानपुर।** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर के वैज्ञानिकों ने बारनपुर, कहींजरी स्थित श्री विश्वकर्मा डिग्री कॉलेज में फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत मोबिलाइजेशन ऑफ कॉलेज स्टूडेंट्स कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कॉलेज के छात्र-छात्राओं को पराली प्रबंधन को लेकर जागरूक किया और बताया कि देश में लगभग 650 मिलियन टन पराली विभिन्न फसलों से मिलती है। इसका उचित प्रबंध कर खेत की उर्वरा शक्ति को बनाए रखकर उत्पादकता प्राप्त की जा सकती है। प्रदूषण से भी बचा जा सकता है। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मिथिलेश वर्मा ने पराली प्रबंधन के साथ-साथ घरेलू कचरा प्रबंधन एवं पोषण वाटिका स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार ने पराली जलाने से मृदा, स्वास्थ्य, वायु प्रदूषण व सूक्ष्म जीवों में पडने वाले कुप्रभावों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पराली प्रबंधन में सीआरडी और पूसा-डी कंपोजर के प्रयोग के बारे में जानकारी दी। छात्र-छात्राओं में पराली प्रबंधन विषय पर वाद-विवाद व लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। छात्र-छात्राओं को विद्यालय के प्रबंधक व उनकी पत्नी ममता विश्वकर्मा ने कुसुम लता सिंह, उमा देवी, प्राची मिश्रा, संदीप मिश्रा, मुस्कान को पुरस्कृत किया।

Sign in to edit and save changes to this file.

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

# छात्रों को सिखाए फसल अवशेष प्रबंधन के तरीके

**अमृत विचार, कानपुर**

**आयोजन**

- **मोबिलाइजेशन ऑफ कॉलेज स्टूडेंट्स कार्यक्रम संपन्न**

कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों ने विश्वकर्मा डिग्री कॉलेज, बारनपुर कहींजरी में फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत मोबिलाइजेशन ऑफ कॉलेज स्टूडेंट्स कार्यक्रम का आयोजन किया। केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने छात्र एवं छात्राओं को पराली प्रबंधन के तरीके बताए।

बताया कि देश में लगभग 650 मिलियन टन पराली विभिन्न फसलों से प्राप्त होती है। जिसका उचित प्रबंध कर खेत की उर्वरा शक्ति को बनाए रखकर सतत उत्पादकता प्राप्त किया जा सकता है। प्रदूषण से भी बचा जा सकता है। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मिथिलेश वर्मा ने पराली प्रबंधन के साथ-साथ घरेलू कचरा प्रबंधन एवं पोषण वाटिका स्थापित करने हेतु प्रेरित किया। मृदा वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार ने पराली जलाने से पड़ने वाले कुप्रभावों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

हिन्दुस्तान कानपुर • मंगलवार • 02 नवंबर 2021 • 04

# छात्रों ने सीखा अवशेष प्रबंधन का तरीका

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के वैज्ञानिकों ने महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को अवशेष प्रबंधन की जानकारी दी। डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि पराली प्रबंधन सीखना अत्यधिक जरूरी है। पराली के सही प्रबंधन से खेतों की उर्वरकता भी बढ़ेगी और प्रदूषण भी नहीं फैलेगा। वर्तमान में दिल्ली प्रदूषण से सबसे अधिक परेशान है, जिसकी मुख्य वजह पराली जलाई जाना है। डॉ. अरविंद कुमार, ममता विश्वकर्मा, कुसुमलता सिंह, उमा देवी आदि मौजूद रहे। वहीं, विवि के डॉ. महक सिंह ने एनआईसी में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों को रबी फसलों के उत्पादन की नई तकनीक के बारे में जानकारी दी।

# वैज्ञानिकों ने डिग्री छात्रों को सिखाए फसल अवशेष प्रबंधन के गुर

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिकों ने विश्वकर्मा डिग्री कॉलेज, बारनपुर कहींजरी, में फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत मोबिलाइजेशन आफ कॉलेज स्टूडेंट्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कॉलेज के छात्र एवं छात्राओं को पराली प्रबंधन के संबंध में जागरूक किया और बताया कि देश में लगभग 650 मिलियन टन पराली विभिन्न फसलों से प्राप्त होती है। जिसका उचित प्रबंध कर खेत की उर्वरा शक्ति को बनाए रखकर सतत उत्पादकता प्राप्त किया जा सकता है। प्रदूषण से भी बचा जा सकता है। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मिथिलेश वर्मा ने पराली प्रबंधन के साथ-साथ घरेलू कचरा प्रबंधन एवं पोषण वाटिका स्थापित करने हेतु प्रेरित किया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार ने पराली जलाने से मृदा, स्वास्थ्य ,वायु प्रदूषण एवं सूक्ष्मजीवों में पडने वाले कुप्रभावों के बारे में विस्तार से चर्चा की। तथा पराली प्रबंधन में सी आर डी एवं पूसा डी कंपोजर के प्रयोग के बारे में जानकारी प्रदान की। कॉलेज के छात्र-छात्राओं के द्वारा पराली प्रबंधन विषय पर वाद-विवाद एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें छात्र एवं छात्राओं को विद्यालय के प्रबंधक एवं उनकी पत्नी श्रीमती ममता विश्वकर्मा द्वारा कुसुम लता सिंह, उमा देवी, प्राची मिश्रा ,संदीप मिश्रा, मुस्कान आदि को पुरस्कृत किया गया। उक्त कार्यक्रम में कॉलेज के लगभग 80 छात्र -छात्राएं एवं समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## इंटीग्रा टेलीकम्युनिकेशन एंड सॉफ्टवेयर कंपनी एक स्पोर्ट्स (क्रिकेट) सॉफ्टवेयर लॉन्च करेगी

कानपुर । इंटीग्रा टेलीकम्युनिकेशन एंड सॉफ्टवेयर लिमिटेड, (इंटेलसॉफ्ट) एक आईटी सॉल्युशन उपलब्ध करवाने वाली कंपनी है, जो भारतीय व्यवसायों के लिए डेस्कटॉप, डेटा सिक्योरिटी और हेल्प-डेस्क सपोर्ट, सर्वर, बैकअप, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेशन, आदि के माध्यम से आईटी सेवाओं की एक पूरी रेंज प्रदान करती है। कंपनी ने बीएसई को सूचित किया है कि वह एक स्पोर्ट्स सॉफ्टवेयर %क्रिकेट फैंटेसी% विकसित करने की प्रक्रिया में है, जिसे मार्च 2022 में लॉन्च किया जाएगा। इस संबंध में अंतिम निर्णय अगली बोर्ड बैठक में किया जाएगा। शुरुआत में बीटा वर्ज़न लॉन्च किया जाएगा। इसका मूल्यांकन 2022 की पहली तिमाही में नज़र आने की उम्मीद है। कंपनी को इस उत्पाद में ज्यादा मुनाफा होने के कारण इसके एक गेमचेंजर होने की उम्मीद है। यह स्मॉल कैप कंपनी नाज़ारा जैसी बड़ी कंपनियों के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करेगी, जिनकी मार्केट कैप 8000 करोड़ रुपये है इंटेलसॉफ्ट भी डेवलपमेंट और मार्केटिंग के लिए 50 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। इससे पहले, कंपनी ने विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) से निवेश प्राप्त करने और कंपनी के उत्पाद सॉफ्टवेयर के अपग्रडेशन के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।